

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पौखसीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं : 253/2020

1. कृष्ण कुमार पुत्र मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त0 भादरा।
2. राजकुमार पुत्र मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त0 भादरा।

:- वादीगण

ब न म

1. मनसुखराम पुत्र छलू राम जाति जाट निवासी भिरानी त0 भादरा।
2. सुनन पुत्री राजबाला पुत्री मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त0 भादरा।
3. कांता पुत्री मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त0 भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरुस्ती

अन्तर्गत धारा 88 राज0काश्त0अधि0 1955

उपस्थिति : बकील श्री बलवन्त सिंह : वादी

बकील श्री संजय कुमार : प्रतिवादीगण

दिनांक : 05-7-21

निर्णय

संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि रोही मौजा भिरानी के खाता सं0 121/108 के मु0न0 410 के किला न0 11 ता 14 प्रत्येक किला की 0.253है0 किला न0 15, 16 प्रत्येक की 0.1640है0 किला न0 17 ता 24 प्रत्येक किला की 0.253है0 किला न0 25 की 0.1640है0 मु0 न0 448 के किला न0 5 की 0.253है0 मु0न0 449 के किला न0 1 ता 4 प्रत्येक किला की 0.253है0 किला न0 5, 6 प्रत्येक किला की 0.1640है0 किला न0 7 ता 14 प्रत्येक किला की 0.253है0 किला न0 15, 16 प्रत्येक किला की 0.1640है0 किला न0 17 ता 19, 22 ता 24 प्रत्येक किला की 0.253है किला न0 25 की 0.1640है0 मु0न0 450 के किला न0 20, 21 प्रत्येक किला की 0.1770है0 मु0 न0 453 के किला न0 1/1 की 0.0130है0 मु0न0 454 के किला न0 2 ता 4 प्रत्येक की 0.253है0 किला न0 5/1 की 0.1140है0 किला न0 7/2 की 0.0380है0 किला न0 8/2 की 0.1770है0 किला न0 9 की 0.253है0 किला न0 12/1 की 0.0380है0 मु0न0 501 के किला न0 21/1 की 0.0250है0 मु0 न0 502 के किला न0 14/1, 16/2 प्रत्येक किला की 0.0630है0 किला न0 17 की 0.2400है0 किला न0 24 की 0.253है0 किला न0 25 की 0.2400है0 मु0 न0 532 के किला न0 4, 5 प्रत्येक की 0.253है0 किला न0 6 की 0.2400है0 किला न0 7 की 0.253है0 किला न0 14 की 0.0510है0 मु0 न0 533 के किला न0 1 की 0.228है0 किला न0 2/1 की 0.640है0 किला न0 9 की 0.0890है0 किला न0 10 की 0.1640है0 कुल 13.1270है0 बरानी खातेदारी प्रतिवादी सं0 1 मनसुखराम के नाम 1/3 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। जो पहले वादी के दादा छलू की खातेदारी हुआ करती थी। छलू के बाद उक्त भूमि को प्रतिवादी सं0 1 मनसुखराम ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा

सहायक कलक्टर
फास्ट ट्रेक भादरा

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू हैं तथा हिन्दू विधि से शासित होते हैं। वादभूमि की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादीगण का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी अपनी बंटवारा की भूमि को समतल, उपजाऊ बनाकर सुधार करना चाहते हैं।

जिसके लिए उन्हें केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादी ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही बनाए मुखारमत है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त प्रतिवादी सं 1 ता 3 ने ई द्वारा आपसी सहमती से दावा की सभी मद संख्या को स्वीकार करते हुए अपने पहचान पत्र व दस्तावेजों के साथ ईकवाल दावा पेश किया गया। प्रतिवादीगण द्वारा ईकवाल दावा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में पीडब्ल्यू 1 कृष्णकुमार पुत्र मनसुखराम के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी रोही भिरानी संवत 2029-38 प्रदर्श 1, जमाबंदी भिरानी संवत 2074-77 प्रदर्श 2 वारिस प्रमाण पत्र मनसुख प्रदर्श 3 वारिस प्रमाण पत्र राजबाला व मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदर्श 4 व 5 प्रदर्शित करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादीगण के हकों पर विपरित असर पड़ता है। अतः मुताबिक अनुतोष व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने पर वाद वादी डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।

हमारे द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादी ने रोही भिरानी के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी रोही भिरानी संवत 2029-38 प्रदर्श 1, जमाबंदी भिरानी संवत 2074-77 प्रदर्श 2 वारिस प्रमाण पत्र मनसुख प्रदर्श 3 वारिस प्रमाण पत्र राजबाला व मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदर्श 4 व 5 प्रदर्शित करवाये। जिसमें प्रदर्श 1 से कृषि भूमि दादालाई पैतृक भूमि होना साबित है तथा प्रदर्श 3 वारिस प्रमाण के अनुसार मनसुखराम के दो पुत्र कृष्णकुमार व राजकुमार व दो पुत्रीयां राजबाला (फौत - प्रदर्श 5, जिसके जायज वारिसान में सुमन पुत्री राजबाला है प्रदर्श 4 के अनुसार) व कांता है तथा इनके अलावा कोई वारिस नहीं होना अंकित है। इस प्रकार प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य से उक्त वाद भूमि पैतृक कृषि भूमि होना साबित है तथा वादीगण व प्रतिवादी सं 0 1 ता 3 जन्म से हक हिस्सा निहित है। चूकि प्रतिवादीयां सं 0 2 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादीगण व प्रतिवादी सं 0 1 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है अतः वाद भूमि में वादीगण व प्रतिवादी सं 0 1 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार है। इस प्रकार वाद वादीगण मुताबिक अनुतोष व पैतृक सम्पत्ति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है।।


कियात्मक आदेश

अतः वाद वादीगण साबित होने के कारण मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा भिरानी के खाता सं 0 121/108 के मु 0 न 0 410 के किला न 0 11 ता 14 प्रत्येक किला की 0.253 है 0 किला न 0 15, 16 प्रत्येक की 0.1640 है 0 किला न 0 17 ता 24 प्रत्येक किला की 0.253 है 0 किला न 0 25 की 0.1640 है 0 मु 0 न 0 448 के किला न 0 5 की 0.253 है 0 मु 0 न 0 449 के किला न 0 1 ता 4 प्रत्येक किला की 0.253 है 0 किला न 0 5, 6 प्रत्येक किला की 0.1640 है 0 किला न 0 7 ता प्रत्येक किला की 0.253 है 0 किला न 0 15, 16 प्रत्येक किला की 0.1640 है 0 किला न 0 17 ता 19, 22 ता 24 प्रत्येक किला की 0.253 है 0 किला न 0 25 की 0.1640 है 0 मु 0 न 0 450

के किला न० 20, 21 प्रत्येक किला की 0.1770 है० मु० न० 453 के किला न० 1/1 की 0.0130 है० मु० न० 454 के किला न० 2 ता 4 प्रत्येक की 0.253 है० किला न० 5/1 की 0.1140 है० किला न० 7/2 की 0.0380 है० किला न० 8/2 की 0.1770 है० किला न० 9 की 0.253 है० किला न० 12/1 की 0.0380 है० मु० न० 501 के किला न० 21/1 की 0.0250 है० मु० न० 502 के किला न० 14/1, 16/2 प्रत्येक किला की 0.0630 है० किला न० 17 की 0.2400 है० किला न० 24 की 0.253 है० किला न० 25 की 0.2400 है० मु० न० 532 के किला न० 4, 5 प्रत्येक की 0.253 है० किला न० 6 की 0.2400 है० किला न० 7 की 0.253 है० किला न० 14 की 0.0510 है० मु० न० 533 के किला न० 1 की 0.228 है० किला न० 2/1 की 0.640 है० किला न० 9 की 0.0890 है० किला न० 10 की 0.1640 है० कुल 13.1270 है० बारानी खातेदारी प्रतिवादी सं० 1 मनसुखराम के नाम 1/3 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है उसमें तन्हा प्रतिवादी सं० 1 मनसुखराम की बजाए वादीगण व प्रतिवादी सं० 1 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते है। चूकिं प्रतिवादीया सं० 2 व 3 ने अपना हक हिस्सा वादीगण व प्रतिवादी सं० 1 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी सं० 1 कृष्णकुमार वादी सं० 2 राजकुमार तथा प्रतिवादी सं० 1 मनसुखराम को बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना वहन करे। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 05.7.21..... को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




 सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) भादरा
 R.A.S.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रेक)
 भादरा, जिला हनुमानगढ़

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएस

प्रकरण सं० : 253/2021

1. कृष्ण कुमार पुत्र मनसुखसराम जाति जाट निवासी भिरानी त० भादरा।
2. राजकुमार पुत्र मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त० भादरा।

:- वादीगण

व न अ म

1. मनसुखराम पुत्र छलू राम जाति जाट निवासी भिरानी त० भादरा।
2. सुमन पुत्री राजबाला पुत्री मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त० भादरा।
3. कांता पुत्री मनसुखराम जाति जाट निवासी भिरानी त० भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री बलवन्त सिंह एवं वकील प्रतिवादीगण श्री संजय कुमार की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा भिरानी के खाता सं० 121/108 के मु० न० 410 के किला न० 11 ता 14 प्रत्येक किला की 0.253 है० किला न० 15, 16 प्रत्येक की 0.1640 है० किला न० 17 ता 24 प्रत्येक किला की 0.253 है० किला न० 25 की 0.1640 है० मु० न० 448 के किला न० 5 की 0.253 है० मु० न० 449 के किला न० 1 ता 4 प्रत्येक किला की 0.253 है० किला न० 5, 6 प्रत्येक किला की 0.1640 है० किला न० 7 ता 14 प्रत्येक किला की 0.253 है० किला न० 15, 16 प्रत्येक किला की 0.1640 है० किला न० 17 ता 19, 22 ता 24 प्रत्येक किला की 0.253 है० किला न० 25 की 0.1640 है० मु० न० 450 के किला न० 20, 21 प्रत्येक किला की 0.1770 है० मु० न० 453 के किला न० 1/1 की 0.0130 है० मु० न० 454 के किला न० 2 ता 4 प्रत्येक की 0.253 है० किला न० 5/1 की 0.1140 है० किला न० 7/2 की 0.0380 है० किला न० 8/2 की 0.1770 है० किला न० 9 की 0.253 है० किला न० 12/1 की 0.0380 है० मु० न० 501 के किला न० 21/1 की 0.0250 है० मु० न० 502 के किला न० 14/1, 16/2 प्रत्येक किला की 0.0630 है० किला न० 17 की 0.2400 है० किला न० 24 की 0.253 है० किला न० 25 की 0.2400 है० मु० न० 532 के किला न० 4, 5 प्रत्येक की 0.253 है० किला न० 6 की 0.2400 है० किला न० 7 की 0.253 है० किला न० 14 की 0.0510 है० मु० न० 533 के किला न० 1 की 0.228 है० किला न० 2/1 की 0.640 है० किला न० 9 की 0.0890 है० किला न० 10 की 0.1640 है० कुल 13.1270 है० बरानी खातेदारी प्रतिवादी सं० 1 मनसुखराम के नाम 1/3 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है उसमें तन्हा प्रतिवादी सं 1 मनसुखराम की बजाए वादीगण व प्रतिवादी सं 1 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते हैं। चूकि प्रतिवादीया सं० 2 व 3 ने अपना हक हिस्सा वादीगण व प्रतिवादी सं० 1 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी सं० 1 कृष्णकुमार वादी सं० 2 राजकुमार तथा प्रतिवादी सं० 1 मनसुखराम को बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 05.7.21 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।



सहायक कलक्टर
(फास्ट-ट्रैक)

R.A.S.
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ